जिला विधिक सेवा प्राधिकरण
सागर (म.प्र.)

विधिक सहायता के लिए आवेदन पत्र (अर्जी) का प्रारूप

1–	अर्जी देने वाले का नाम व पता	:–	....
			....
2–	अर्जी देने वाले के पिता/पति का नाम	:–	....
3–	अर्जी देने वाले का धंधा या रोजगार	:–	....
4–	निवास स्थान (जहाँ वह रहा है) कब से यहाँ रहता है	:–	....
5–	अर्जी देने वाले की सालाना आमदनी	:–	....
6–	अर्जी देने वाले की जायदाद (अचल संपत्ति) का ब्यौरा	:–	....
7–	अदालत या उस अधिकारी का नाम जहाँ मुकदमा या मामला चलाया जाना है या चल रहा है	:–	....
8–	मुद्दयाल प्रतिपक्षी का नाम व पता	:–	....
9–	मामले का संक्षिप्त विवरण, इसके साथ	:–	....
	ही उन दस्तावेजों की नकलें जिन पर अर्जी देने वाले का मामला निर्भर है	:–	....
10–	वकील का नाम यदि किसी से संपर्क किया गया हो तथा उस वकील का नाम	:–	....
	जिसकी सेवा का उपयोग, अर्जी देने वाला करना चाहेगा	:–	....
11–	क्या इस मामले से संबंधित किसी अदालत में कोई कार्यवाही चल रही है ? यदि हाँ तो उसका संक्षिप्त विवरण और पहले मामला तय हुआ है तो उसका नतीजा।	:–	....
12–	क्या अर्जी देने वाले ने पहले भी मुफ्त कानूनी सहायता के लिए अर्जी दी है। यदि दी है तो मंजूर की गई है अथवा नामंजूर ? यदि मंजूर की गई है तो कार्यवाहियों तथा कानूनी मदद का पूरा विवरण	:–	....

स्थान :–

दिनाँक :– **अर्जी देने वाले के हस्ताक्षर**

तस्दीक (सत्यापन)

मैं .... ऊपर मुताबिक कानूनी सहायता के लिए अर्जी देने वाला तस्दीक करता हूँ कि इस अर्जी में दी गई सारी जानकारी सही व सत्य है।

अर्जी देने वाले के हस्ताक्षर

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सागर (म.प्र.)

प्रारूप दो

(विनियम 17 का उपनियम (2) तथा विनियम 32 का उपनियम (2) देखिये)

वचन बद्ध – सह – घोषणा

मैं .... आयु लगभग .... वर्ष, पुत्र/पुत्री/पत्नि श्री .... निवासी .... एतद् द्वारा, निम्नानुसार से वचन देता हूँ/देती हूँ तथा घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि :–

1– मैं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति/ या जिला प्राधिकरण के सचिव या सदस्यों में से किसी सदस्य द्वारा किये गये किसी अधिग्रहण तथा निदेश का अनुपालन करूँगा।

2– मैं समिति/जिला प्राधिकरण के द्वारा उपलब्ध किये गये विधिक सेवा अधिवक्ता को मेरे मामले के सभी तथ्यों की पूर्ण तथा सही जानकारी दूँगा।

3– मैं माननीय उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश/न्यायालय .... में (क) .... के निर्णय से अपील में

4– मैं एतद्द्वारा यह करार करता हूँ कि उस दशा में जबकि न्यायालय द्वारा मेरे पक्ष में कोई डिक्री या आदेश पारित करते हुए मुझे खर्चे या अन्य मौद्रिक प्रसुविधा या लाभ दिया जाता है तो मैं मुझे विधिक सेवा प्रदान करने में समिति/जिला प्राधिकरण द्वारा उपगत समस्त खर्चें, प्रभार तथा व्यय की प्रतिपूर्ति के तौर पर समिति जिला प्राधिकरण को भुगतान करूँगा। मैं एतद् द्वारा उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति/जिला प्राधिकरण के सचिव को ऐसी समस्त कार्य तथा बातें, जो कि मुझे भुगतान किये जाने के लिए डिक्री की गई है या आदेश दी गई रकम की वसूली या उपयास करने के लिए आवश्यक हों, करने के लिए भी प्राधिकृत करता हूँ और उक्त वर्णित प्रयोजन के लिए उसकी प्रतिपूर्ति करें।

5– मैं एतद् द्वारा यह घोषणा करता हूँ कि उस दशा में यदि किसी डिक्री या आदेश के अधीन कोई प्रसुविधा मेरे पक्ष में प्रदान की जाती है तो उच्च न्यायालय/न्यायालय, इस बात के लिए स्वतंत्र होगा कि मुझे समिति/जिला प्राधिकरण द्वारा विधिक सहायता प्रदान करने के लिए उपगत किये गये व्यय के प्रति समिति/जिला प्राधिकरण ऐसी रकम का अपयोजन कर सकेगा तथा मैं समिति/जिला प्राधिकरण को भी इस संबंध में सही जानकारी दूँगा।

6– मैं करार करता हूँ कि मेरे मामले को माननीय उच्च न्यायालय/न्यायालय में लोक अदालत के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए, यदि किसी भी स्तर पर समिति/जिला प्राधिकरण द्वारा यह विचार किया जाता है कि मेरे मामले में लोक अदालत के माध्यम से सुलह हो सकती है या विनिश्चय किया जा सकता है।

आवेदक

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सागर (म.प्र.)

प्रारूप – 1

(विनियम 11 का उप–विनियम (1) तथा विनियम 26 का उप विनियम (1) देखिए)

शपथ पत्र

मैं .... आयु लगभग .... वर्ष, पुत्र/पुत्री/पत्नि

श्री .... निवासी ....

एतद् द्वारा सत्य निष्ठा से प्रति ज्ञान करता हूँ तथा निम्नानुसार कथन करता हूँ :–

(क) मैं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का एक सदस्य हूँ।
(ख) मैं मानव के दुर्व्यवहार या किसी बेगार का एक शिकार हूँ।
(ग) मैं विधिक सेवा के लिए पात्र हूँ कारण कि मैं एक महिला या बालक हूँ।
(घ) मैं मानसिक रूप से अस्वस्थ्य या अन्यथा एक निःशुल्क व्यक्ति हूँ।
(ड.) मैं सामुदायिक विपदा, जातीय हिंसा, जातीय अत्याचार, बाढ़, सूखा, भूकम्प या औद्योगिक विपदा का शिकार होने के कारण दरिद्रता की परिस्थितियों के अधीन 1 व्यक्ति हूँ।
(च) मैं एक औद्योगिक कर्मकार हूँ।
(छ) मैं अभिरक्षा में हूँ।
(ज) समस्त स्त्रोतों से मेरी वार्षिक आय रूपये 50,000/– (पचास हजार रूपया केवल) है।

अभिसाक्षी

(जो लागू न हो उसे काट दें)

सत्यापन

मैं श्री/श्रीमति/कुमारी .... ऊपर नामित अभिसाक्षी एतद् द्वारा सत्यापित करता /करती हूँ कि उपरोक्त कथन मेरे ज्ञान से सत्य व सही है, उसमें कथन किया गया कुछ भी असत्य नहीं है तथा कुछ भी छुपाया नहीं गया है। अतः भगवान मेरी सहायता करें।

आज तारीख .... सन् 2005 को .... पर सत्यापित किया गया ।

अभिसाक्षी